इंदौर (ओम् शांति भवन)। मनोहर जी उंटवाल, नगरीय प्रशासन एवं विकास राजमंत्री,म.प्र., एवं श्रीमति मन्नू उंटवाल को 'आय प्लेज फॉर पीस' कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु.हेमलता, साथ में ब्र.कु.सविता।

खानपुर, झालावाड़। तनाव मुक्त त्रिदिवसीय शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते हुए डॉ.विरोचन्द मेहता, सरपंच जेहरा बोरा, ब्र.कु.मीता, ब्र.कु.तपस्विनी एवं अन्य।

रामगंजमंडी। व्यवसाय एवं उद्योग प्रभाग के कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु.गीता, ब्र.कु.उर्मिला कोटा, ब्र.कु.शीतल एवं एएसआई लि. के मेनेजिंग डायरेक्टर एस.सी. अग्रवाल।

तुलसी नगर, इन्दौर। त्रिदिवसीय अनुभूती शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर उदघाटन करते हुए इन्दौर-देवास टोलवीज़ लि. के टिम लिडर अजय पांडे, प्रो. उमा त्रिपाठी, ब्र.कु.पुजा तथाअन्य।

बलौदा बाजार- छत्तीसगढ। सहायक जिला परियोजना अधिकारी टेशुलाल धुरंधर जी को ईश्वरीय सौगात देती हुई ब्र.कु. मीरा।

विन्ध्याचल नगर, इन्दौर। सेवाकेन्द्र हेतु भवन का शिलान्यास करते ब्र.कु. ओमप्रकाश भाई जी, ब्र.कु.हेमलता, ब्र.कु.जयंती, ब्र.कु.सीमा एवं अन्य

खुदा का एक बेशकीमती तोहफा

ज्ञान शिखर परिसर स्थित "शक्ति निकेतन"

"ख़ुदा ने रचाया है ऐसा घर यहाँ
जिसे कहता शक्ति निकेतन जहाँ"

इन्दौर। यह है इस जहां का एक बेमिसाल तोहफा। तोहफे की लेन देन में मानव की एक दूसरे के प्रति स्वाभाविक प्रेम की झलक स्पष्ट देखने को मिलती है। दिल में छिपे प्रेम को प्रकट करने का, बेहतरीन तरीका है यह। इसे निष्काम एवं निश्छल प्रेम का सबूत भी कहा जा सकता है इसे। निश्चय ही कुछ ऐसा असीम पवित्र प्रेम बरसाया है परमात्मा ने, जिसे न सिर्फ महसूस ही किया जा सकता है अपितु इस सर्वोच्च परमात्म प्रेम को साक्षात् नयनों द्वारा निहारा भी जा सकता है। यकीनन्, यह सब

पढ़कर आपके मन में यह उत्कंठा पैदा हो रही होगी कि-क्या है वह? और कौन है इस तोहफे के पात्र? जिस पर इस कदर परमात्मा मेहरबान हो अपना निश्छल प्रेम बरसा रहे हैं? सच पूछो तो वह है-हमारे महान भारत देश की हृदयस्थली मध्यप्रदेश की गौरव नगरी, इन्दौर के न्यू पलासिया क्षेत्र में सुप्रसिद्ध "ओम शांति भवन" ज्ञान शिखर परिसर में स्थित **"शक्ति निकेतन"**। यही है वह, जिसे परमात्मा द्वारा कुमारियों हेतु भेंट किया गया एक बेशकीमती तोहफा ही कहा जा सकता है।

इस संसार में, कल्प में एक ही बार परमात्मा द्वारा शिव-शक्तियाँ कहलाने की सच्ची हकदार पवित्र कुमारियों हेतु ही इस सृष्टि पर रचा जाता है और इसका लाभ अध्यात्म में रूचि रखने वाली उन सभी कुमारियों को प्राप्त होता है जिनका स्वप्न भविष्य में उच्च आदर्श को लिए चरित्रवान, सुसंस्कारित ज़िंदगी जीने का होता है। इस शक्ति निकेतन का आँगन हितग्राही कन्याओं की आकांक्षाओं, उनकी भावनाओं का आँगन है। यहाँ पावनता झंकृत होती है और शुचिता का मधुर संगीत सदा गूंजता रहता है। ईश्वरीय प्रेरणाओं से निर्मित यह शक्ति निकेतन आदरणीय ब्र.कु.ओमप्रकाशजी जिन्हें सभी स्नेहवश 'भाईजी' के मंजुल संबोधन से संबोधित करते हैं, के भागीरथ प्रयासों का सुफल परिणाम है। यहाँ वरिष्ठ बह्माकुमारी बहनें जो कन्याओं की अभिभावक, निर्देशक और मार्गदर्शक के रूप में सेवारत हैं, इन कन्याओं को पुत्रीवत प्रेम, ममता की सुवास और सुरक्षा देती है। दिव्यता से सम्पन्न यह छात्रावास निश्चित ही कन्याओं के लिए ईश्वरीय वरदान और वर्सा है।

इस अद्वितीय छात्रावास का संचालन आध्यात्मिक प्रबंधन की विधि से किया जाता है। यहाँ सांसारिक माया-मोह से दूर, शुद्ध, सात्विक वातावरण में रहकर कन्यायें अपना शैक्षणिक, बौद्धिक, मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक विकास तो करती ही हैं, कर्मयोगी बन स्वावलंबी जीवन जीने की अद्भुत कला भी सीखती है। मन की शुद्धता एवं विचार-श्रेष्ठता हेतु ये प्रति दिन प्रातःकाल राजयोग का अभ्यास एवं नित्य प्रति आध्यात्मिक ज्ञान का श्रवण भी करती है। सादगी युक्त, सरल एवं सहज जीवन के प्रति आस्थावान ये कन्यायें अपने जीवन के मूल्यवान समय को अपनी पढ़ाई एवं स्व-उन्नति हेतु तो देती ही है, अपने नैतिक एवं चारित्रिक जीवन को ऊँचा उठाने हेतु भी सजग रहती हैं।

बड़ा ही नाज़ है यहाँ रहने वाली कुमारियों को अपनी श्रेष्ठ तक़दीर पर। बड़ी खुशनसीब एवं भाग्यवान हैं ये कुमारियाँ। भाग्य विधाता भगवान स्वयं इन्हें तराशकर दिव्य गुणों की सुंदर, चैतन मूरत बना रहे हैं। छात्रावास में कन्यायें अपनी लौकिक एवं अलौकिक दोनों ही पढ़ाई पढ़ती है। लौकिक पढ़ाई पठन पाठन हेतु यह शहर के स्कूलों एवं कॉलेजों में जाती हैं लेकिन अलौकिक शिक्षा इन्हें छात्रावास में ही राजयोग की अनुभवी शिक्षिकाओं द्वारा प्रदान की जाती है।

यहाँ पढ़ाई के साथ-साथ रूहानी प्रेम का माहौल है। यहाँ विश्वास और स्नेह अटूट है। शक्ति निकेतन के सम्पूर्ण कार्यो का प्रबंधन लगभग 43 छोटे बड़े विभागों के द्वारा संचालित है। इनमें मुख्य विभाग है-1.आध्यात्मिक ज्ञान एवं संस्कार परिशोधन, 2.प्रबंधन, 3.शिक्षा, 4.सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं रचना कार्य 5.संपूर्ण स्वास्थ्य विभाग। कन्यायें निश्चित कार्यक्रमानुसार निर्धारित समय पर उचित मार्गदर्शन पाकर सुबह से रात तक इन विभागों के माध्यम से सम्पूर्ण व्यवस्थाओं का संचालन करती है। यह निश्चित ही हर्ष का विषय है

कि कन्यायें स्वयं अपनी व्यवस्थाओं का प्रबंधन करती हैं, इससे वे सीखती हैं-आवासीय रख रखाव, साज-सज्जा, सफाई, पाक कला, गृह कला, चित्रकला, मेहमान-नवाज़ी आदि का जीवनोपयोगी कौशल। यह व्यावहारिक पाठ बड़ा उपयोगी होता है। सांस्कृतिक और साहित्यिक कलाओं जैसे- नृत्य, गायन, वादन, अभिनय,

कविता पाठ, लेखन, नाट्य, भाषण आदि के द्वारा वे विकसित करती हैं अपनी आंतरिक क्षमताओ को जो उनके भावी जीवन को प्रशस्त करती है,उन्हें बेहतर दायित्व बोध युक्त, समझदार, जीवनोंपयोगी व्यावहारिक सूझ-बूझ रखने वाली जिम्मेदार नागरिक बनाती है।

इस तरह भौतिक, अधिभौतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षाओं के इस अनूठे समन्वय ने इन कन्याओं के लिए श्रेष्ठ एवं महान जीवन का राजपथ खोल दिया है। यही कारण है कि आज शिक्षण संस्थायें इन कन्याओं के जीवन को एक आदर्श उदाहरण के रूप में देखने लगी हैं और

उनमें इनके प्रति स्नेह एवं सहयोग की भावनाये समाने लगी हैं।इस शक्ति निकेतन की स्थापना प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के इन्दौर ज़ोन द्वारा सन् 1983 में हुई थी। इस छात्रावास में छठी से स्नातकीय कक्षा ग्रेजूएशन तक की अध्ययनरत कन्याये निवास करती है। इसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, बंगाल, बिहार, उड़ीसा, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, मणिपुर, आसाम, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, तमिलनाडू, उत्तराखण्ड की कन्यायें भी निवास करती हैं। इतना ही नहीं विदेश नेपाल व दुबई भी इस आकर्षण से अछूते नहीं है। इस तरह वर्तमान में यहाँ 150 कन्यायें निवास कर जीवन को सार्थक बना रही है। भला कौन नहीं चाहेगा ऐसे अलौकिक बेशक़ीमती छात्रावास-शक्ति निकेतन में प्रवेश पाने का गौरव ?

विशेष नोट - वर्ष 2013 से प्रारंभ हो रहे नवीन शैक्षणिक सत्र हेतु नई कन्याओं की प्रवेश प्रक्रिया माह जनवरी-13 से प्रारंभ होती है। शक्तिनिकेतन में प्रवेश की इच्छुक कन्याए जो अपने आध्यात्मिक जीवन की उच्चतम आकांक्षाओं को अर्जित करना चाहती है अपने पालक/परिजनों के माध्यम से विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें-"शक्ति निकेतन" दिव्य जीवन कन्या छात्रावास ओम शांति भवन, न्यू पलासिया इन्दौर (म.प्र.) -452 001फ़ोन-0731-2531631
फोन-0731-2531631 फैक्स-0731-2430444

रतलाम। संत सांई नारायण जी का पुष्प गुच्छ दे कर सम्मान करते हुए ब्र.कु.सविता एवं अन्य

इन्दौर, छात्रावास। दीपावली पर दीप जालाते हुए ब्र.कु.शकुंतला बहन एवं दीपराज शिवबाबा की रुहानी दीपरानीयाँ

जबलपुर कटंगा। मेरा भारत स्वस्थ भारत मिशन का दीप प्रज्ज्वलन करते शुभारंभ सहारा समय के सादिक खान, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भ्राता अनिल शर्मा ,ब्र.कु.विमला ब्र.कु.जमीला,प्रो.कमल दीक्षित।